

## इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

पत्रांक : 118 / प्र0अ0(त0स0) / जोन-1 / प्रस्ता0 / 2014-15 दिनांक 05/07/2016

### अनुमति-पत्र

यह अनुमति उ0प्र0 नगर नियोजन तथा विकास अधिनियम 1973 की धारा 14 व 15 के अन्तर्गत दी जाती है, किन्तु अर्थ यह न समझना चाहिये कि उस भूमि के सम्बन्ध में जिस पर प्रस्तावित व्यवसायिक भवन मानचित्र स्वीकृत किया जा रहा है, इससे किसी प्रकार या किसी रसानीय निकाय या इसका रसानीय अधिकारी या व्यक्ति अथवा फर्म के मालिकाना अधिकारों पर किसी का कोई असर पड़ेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के मिलिक्यत या स्वामित्व के अधिकारों के विरुद्ध कोई प्रभाव न रखेगी।

श्री सुभाष खुराना एवं श्री विवेक खुराना द्वारा पार्ट पोर्शन आफ बंगला नं0-13/15 एडमार्स्टन रोड, तहसील-सदर जिला इलाहाबाद जोन संख्या (1) के अन्तर्गत दाखिल प्रस्तावित व्यवसायिक भवन मानचित्र की स्वीकृति/निर्माण उपाध्यक्ष महोदय के अनुमोदनादेश दिनांक 10-06-2016 के द्वारा निर्मांकित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है :

- उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15ए (1) के प्राविधानों के अनुरूप पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के पश्चात् ही उपभोग/अधिभोग किया जायेगा, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2008 में उपविधि संख्या-2.1.8 एवं 3.1.8 में निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक है।
- यह स्वीकृति अनन्तिम (Provisional) स्वीकृति के रूप में होगी। निर्माण पूर्ण होने के उपरान्त, सभी आवश्यक Mandatory Clearances/N.O.C की शर्त पूर्ण करने के पश्चात्, निर्गत किये जाने वाले 'पूर्णता प्रमाण-पत्र' प्राप्त करने के बाद ही इस परिसर को वार्तविक उपयोग में लाया जा सकेगा।
- स्थल पर 4X3 फिट का एक बोर्ड लगाकर प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र सम्बन्धी विवरण अंकित करना अनिवार्य होगा, जिसमें आर्किटेक्ट/इन्जीनियर के फर्म का नाम भी अंकित हो।
- स्थल पर 02 अद्द वृक्ष लगाना होगा तथा वृक्षों को हरा-भरा रखने का दायित्व आवेदकगण का होगा।
- प्रस्तुत मानचित्र बैसमेन्ट, रिटल्ट/भूतल, प्रथम, द्वितीय, तृतीय, मस्टी+मशीन रूम एवं बरसाती के निर्माण की अनुमति हेतु है। तदनुसार ही निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाय।
- निर्माण भूकम्परोधी मानकों के आधार पर ही आवश्यक रूप से किया जाय। भवन की संरचना एवं सुरक्षा का दायित्व आवेदक का होगा।
- अवरस्थापना सुविधाओं के परिप्रेक्ष्य में नगर आयुक्त, नगर निगम इलाहाबाद द्वारा प्रदत्त अनापत्ति पत्रांक 930/STCE/16 दिनांक 18.02.2016 का अक्षरशः अनुपालन करना होगा (छायाप्रति संलग्न)।
- माननीय न्यायालय में कोई वाद होने अथवा उत्पन्न होने की स्थिति में प्रदत्त स्वीकृति माननीय न्यायालय के निर्णय के अधीन होगी। यह स्वीकृति भू-स्वामित्व का अधिकार प्रदान नहीं करती है। भू-स्वामित्व सम्बन्धी कोई भी विवाद सक्षम न्यायालय/प्राधिकारी द्वारा ही निर्स्तारित किया जा सकता है।
- यदि आवेदक द्वारा कोई महत्वपूर्ण सूचना छिपायी गयी है अथवा गलत सूचना दी गयी है तो उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 15 (9) के अन्तर्गत मानचित्र निरस्त करने योग्य होगा।

-2

*[Signature]*  
05/07/2016  
M/s -> 9335961911

